<u>नियम 130 के अन्तगर्त श्री रोहित ठाकुर, माननीय विधायक द्वारा उठाया गया मामला:-</u>

"प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में चरमराती स्वास्थ्य सुविधाओं पर यह सदन चर्चा करें" व्याख्यात्मक टिप्पणी चर्चा उठाने हेतु :-

"प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का बुरा हाल है। कई क्षेत्रों में न डाक्टॅर हैं न फार्मासिस्ट है। न ही स्वास्थ्य की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है जिस कारण ग्रामीण लोंगों को ईलाज हेतु शिमला या चण्डीगढ़ जाना पड़ता है।"

अध्यक्ष महोदय,

वस्तुस्थिति इस प्रकार है:-

राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा अधिकारियों के 2691 सृजित पद हैं जिनमे से 2454 पद भरे हुए हैं तथा 237 रिक्त पद चिकित्सा अधिकारियों के उच्च शिक्षा अधयन, अवकाश, सेवानिवृति व स्वाछिक सेवानिवृति के कारण रिक्त पड़े हैं। फार्मासिस्टों के 1280 सृजित पद, 1052 भरे हुए हैं तथा 228 रिक्त हैं। हाल ही में 106 विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी तैनात किए गए हैं। इस तरह अभी 2454 + 106 = 2560 चिकित्सक स्वास्थ्य संस्थानों में तैनात हैं। सरकार ने हाल ही में 300 चिकित्सा अधिकारियों के पदों को भरने हेतु स्वीकृति प्रदान की है जोकि जल्द ही भर दिए जाएगे। दंत चिकित्सा अधिकारियों के 19, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (CHO) के 1514 , ANM के 348 तथा अलग-अलग श्रेणी के 320 पदों को भरने की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। प्रदेश में 73 नये उप स्वास्थ्य केन्द्र, 76 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व 5 खंड चिकित्सा कार्यालय खोले गये हैं। प्रदेश में 55 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया गया है। 25 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को उन्नयन कर सिविल अस्पताल में तबदील किया गया है तथा 23 अस्पतालों की बेड क्षमता बढ़ाई गई है। विभाग में चिकित्सकों के 370 तथा फार्मासिस्ट के 147 पद सृजित किए गए हैं। हिम केयर योजना के तहत 325632 मरीजों का इलाज किया गया है। हिम केयर योजना के तहत कुल

310.99 Cr. की राशि खर्च की गई है। PMJAY योजना के तहत 155514 मरीजों का इलाज किया गया है। PMJAY योजना के तहत कुल 195.17 Cr. की राशि खर्च की गई है।

इस समय ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के 630 स्वास्थ्य संस्थान हैं व वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र में 52 सिविल अस्पताल, 86 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 492 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत हैं , जिसमें चिकित्सकों के 1175 सृजित पद हैं जिनमे से 855 भरे तथा फार्मासिस्ट के 631 सृजित पद हैं जिनमे से 399 भरे हुए हैं। सेवानिवृति व पदोन्नती के कारण फार्मासिस्ट के पद रिक्त हो रहे हैं तथा अभी हाल ही में कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से फार्मासिस्ट के 121 पद भरे गए जिनमें से 119 ने अपनी सेवाएं विभाग में देनी आरम्भ कर दी है। रिक्तियों का भरा जाना एक निरन्तर प्रक्रिया है।

माननीय मुख्यमन्त्री ने बजट अभिभाषण के दौरान प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएँ घर-द्वार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से एक नई “मुख्यमन्त्री मोबाइल क्लिनिक (M3C)” योजना की घोषणा की जोकि जल्द ही लागू कर दी जा एगी जिसमें एक चिकित्सा अधिकारी, प्रयोगशाला तकनीशियन, चालक व फार्मासिस्ट की तैनाती प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त हर 76 चिकित्सा खण्ड के आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक अतिरिक्त चिकित्सा अधिकारी प्रस्तावित है। यह भी सूचित किया जाता है कि सामुदायक स्वास्थ्य अधिकारियों की नियुक्ति उप स्वास्थ्य केन्द्रों में करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही 780 आशा कार्यकर्ता को भरने की भी स्वीकृति प्रदान की गई है तथा भरती प्रक्रिया जारी है।

वर्तमान में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग में तय मापदण्डों के अनुरूप ही मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्वास्थ्य संस्थानों में तय स्वीकृत व उपलब्ध स्टाफ व उपकरणों की उपलब्धता अनुरूप प्रदान की जा रही है। जहां तक ईलाज की बात है , उन्ही मरीज़ो को रैफर किया जाता है जिनको सीटी स्कैन व एम 0आर0आई जांच व प्रयोगशाला जांच की आवश्यक्ता होती है तथा जो जांच सुविधाएं ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थानों

में उपलब्ध्ता नहीं होती है केवल इस प्रकार के मरीजो को प्रदेश के अन्दर उच्च स्वास्थ्य संस्थानों मे उपचार के लिए भेजा जाता है। किसी मरीज़ की जांच के बाद किसी अन्य गम्भीर बीमारी के लक्षण होने के उपरांन्त ही मरीज को प्रदेश से बाहर पी0जी0आई0 चण्डीगढ़ में उपचार करवाने के लिए भेजा जाता है।

******